सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 315 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 23 दिसम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

सभी के साथ विनम्र रहे, पर कुछ ही के साथ अन्तरंग हों, और इन कुछ को अपना विश्वास देने से पहले अच्छी तरह परख लें।

-जार्ज वाशिंगटन

विजय हजारे ट्रॉफी में खेल सकते हैं... 7 | नीतीश के हरकतों से विवाद गहराया... 3 | संवैधानिक पदों पर बैठे लोग मर्यादा... 2

कराह रहा एक पहाड़ सुनिए उसकी आह !

जंगल और पहाड़ खत्म हो जायेंगे तो आप कहां जायेंगे

» अरावली को बचाने के अभियान में हो सबकी भागीदारी

» आम जन से लेकर विपक्ष तक सेव अरावली के समर्थन में

» केंद्र से लोगों ने लगाई गुहार, बोली जनता- राजनीति न करे सरकार

» सपा प्रमुख , कांग्रेस नेता गहलोत ने संभाला मोर्चा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विकास के नाम पर अगर अनाप-शनाप तरीकों से हम पहाड़ों व जंगलों को कांटेंगे तो ये विकास एक दिन विनाश बन जाएगा। इसका खतरनाक रूप हम बरसात के दिनों में देखते हैं जब भूस्खलन से उत्तराखंड से लकर हिमाचल तक में भारी तबाही मचती है। आजकल दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा व गुजरात में फैले अरावली पर्वत श्रृंखला पर आफत आई हुई है, अवैध खनन से पहाड़ धीर-धीरे खत्म हो रहे है।

सुप्रीम कोर्ट, आम जनता से लेकर विपक्ष की कई पार्टियों ने सरकार से पूरे क्षेत्र में खनन पर रोक लगाने की मांग की है। जबकि भाजपा की एनडीए सरकार विकास के नाम पर कु छ क्षेत्रों में खनन करवाना चाहती है। बता दें कि अरवाली रेजं एक दिवार की तरह काम करती है जो रेगिस्तान की गर्म हवाओं को रोकती है साथ ही पर्यावरण को संरक्षित करती है। वहीं राजधानी दिल्ली समेत अपने आठ सौ किमी से ज्यादा क्षेत्र में फले इलाके के लोगों को पानी भी मुहैया कराती है। उधर प्रमुख ने कहा अरावली को बचाना मतलब खुद को बचाना है। अगर अरावली का विनाश नहीं रोका गया तो भाजपा की अवैध खनन को वैध बनाने की साजिश और जमीन की बेइंतहा भूख देश की राजधानी को दुनिया की 'प्रदूषण राजधानी' बना देगी और लोग दिल्ली छोड़ने को बाध्य हो जाएंगे। इसीलिए आइए हम सब मिलकर अरावली बचाएं और भाजपा की गंदी राजनीति को जनता और जनमत की ताकत से हराएं! उनका ये संदेश सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

31 पहाड़ियां पहले ही गायब

एफएसआई का कहना है कि अरावली की 31 पहाड़ियां पहले ही गायब हो चुकी है। यहां पहले से ही माफिया काम कर रहा है और सिस्टम आंख बंद कर चुका है। अवैध खनन वर्षों से हो रहे है ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब, नया कानून उसे वैध करने जैसा। मामला उस वक्त और भी गंभीर हो जाता है जब राजस्थान सरकार एक तरफ 250 करोड़ अरावली विकास के लिए जारी कर चुकी है, वहीं दूसरी तरफ कैची थमाती है।

जगह-जगह विरोध

निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने सीधे प्रधानमंत्री को पत्र लिख दिया है, जगह-जगह विरोध हो रहा है, लेकिन साथ ही एक सवाल भी उठ रहा है कि ये आवाज पर्यावरण की चिंता है, या चुनावी मौसम का नया मुद्दा? ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि जहां खनन माफिया, रियल एस्टेट लॉबी और सिस्टम का संगम हो वहां पर्यावरण सिर्फ फाइलों में बचता है, जमीन पर नहीं।

अरावली की परिभाषा को लेकर विवाद

अरावली को लेकर जो परिभाषा बनी है, उसे लेकर जबरदस्त विवाद छिड़ा हुआ है और आरोप-प्रत्यारोपों के दौर चल रहे हैं। भाजपा आरोप लगा रही है कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत जो 'सेव अरावली' कैंपेन चला रहे हैं, उन्हीं के कार्यकाल में अरावली 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की गई थी।

अरावली बचेगी तो ही दिल्ली बचेगी : अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्लीवासियों को अरावली पहाड़ियों को बचाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं बल्कि संकल्प होना चाहिए।एक्स पर लिखे गए एक लंबे संदेश में उन्होंने कहा कि बची रहे जो 'अरावली' तो दिल्ली रहे हरीभरी! उन्होंने कहा कि अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं है बल्कि ये तो संकल्प होना चाहिए। मत भूलिए कि अरावली बचेगी तो ही एनसीआर बचेगा। अरावली को बचाना अपरिहार्य है क्योंकि यह दिल्ली और एनसीआर के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच है या कहें कुदरती ढाल है। अरावली ही दिल्ली के ओझल हो चुके तारों को फिर से दिखा सकती है, पर्यावरण को बचा सकती है। अरावली पर्वतमाला ही दिल्ली के वायु प्रदूषण को कम करती है और बारिश-पानी में अहम भूमिका निभाती है। अरावली से ही एनसीआर की जैव विविधता बची हुई है। जो वेटलैंड गायब होते चले जा रहे हैं, उन्हें यही बचा सकती है। गुम हो रहे परिंदों को वापस बुला सकती है।अरावली से ही एनसीआर का तापमान नियंत्रित होता है। इसके अलावा अरावली से एक भावात्मक लगाव भी है जो दिल्ली की सांस्कृतिक-ऐतिहासिक धरोहर का हिस्सा है। अरावली को बचाना, दिल्ली के भविष्य को बचाना है, नहीं तो एक-एक साँस लेने के लिए संघर्ष कर रहे दिल्लीवासी स्मॉग जैसे जानलेवा हालात से कभी बाहर नहीं आ पाएंगे। आज एनसीआर के बुजुर्ग, बीमार और बच्चों पर प्रदूषण का सबसे खराब और खतरनाक असर पड़ रहा है। यहाँ के विश्व प्रसिद्ध हॉस्पिटल और मेडिकल सर्विस सेक्टर तक बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जो लोग बीमारी ठीक करने दिल्ली आते थे, वो अब और बीमार होने नहीं आ रहे हैं।

खतरे में अरावली 90 प्रतिशत पहाड़ियां सुरक्षा से बाहर

राजस्थान की शान कहे जाने वाले अरावली पर संकट के बादल छाये हुए हैं, ये कोई अचानक उठा तूफान नहीं है, बल्कि खनन माफिया, कानून, अफसरशाही, और राजनीति, सब मिलकर वर्षों से इसकी नींव खोद रहे हैं। अब सुप्रीम कोर्ट की नई परिभाषा ने इसे और बड़ा झटका दे दिया है। न्यायालय के अनुसार जो पहाड़ियां 100 मीटर से कम ऊंची हैं तो उन्हें अरावली रेंज नहीं माना जाएगा। यानी, राजस्थान की लगभग 90 फीसदी पहाड़ियां कागजों से गायब हो सकती हैं. सवाल ये है कि सदियों से भूलजल, हवा और पर्यावरण का संतुलन बचाने वाली क्या अरावली की लड़ाई, कानून की है, राजनीति की है या हमारी सांसों की? या फिर हमारा पानी बचाने की? अरावली दुनिया की सबसे पुरानी पर्वतमालाओं में एक है।

अरावली बचाओ आंदोलन अब सिर्फ एक मांग नहीं मुकाबला है

पर असली सवाल सरकार क्या करेगी? या न्यायालय क्या करेगा? यह नहीं है बल्कि असली सवाल यही है कि हम क्या करेंगे? क्यों? क्योंकि पानी हमारा है, हवा हमारी है। रेगिस्तान का फैलाव हमारी जमीन पर होगा। अरावली कटेगी तो किसान मरेगा। शहरों में पानी महंगा होगा। यानी आज का यह पर्यावरण का मुद्दा जनजीवन का मुद्दा बन जाएगा। शायद यही वजह है कि अरावली बचाओ आंदोलन अब सिर्फ एक मांग नहीं मुकाबला है। विकास बनाम विनाश और मुनाफे बनाम पर्यावरण का। कुल मिलाकर अरावली सिर्फ पहाड़ नहीं राजस्थान की रीढ़ है और रीढ़ पर चोट पूरे शरीर को कमजोर करती है।

100 मीटर के मानदंड को लेकर भ्रांतियां फैलाई जा रही हे : राजेंद्र राठौड़

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि 100 मीटर के मानदंड को लेकर भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं। यह मानदंड केवल ऊंचाई तक सीमित नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वीकृत परिभाषा के अनुसार 100 मीटर या उससे ऊंची पहाड़ियों, उनकी ढलानों और दो पहाड़ियों के बीच 500 मीटर के क्षेत्र में आने वाली सभी भू-आकृतियां खनन पट्टे से पूरी तरह बाहर रखी गई हैं, चाहे उनकी ऊंचाई कुछ भी हो। उन्होंने इसे पहले से अधिक सख्त और वैज्ञानिक व्यवस्था बताया। सर्वे ऑफ इंडिया की कमेटी की परिभाषा लागू होने पर अरावली क्षेत्र में खनन बढ़ने के बजाय और अधिक सख्ती आएगी।

उत्तराखंड में वन भूमि पर अवैध कब्जे पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में वन भूमि पर अतिक्रमण और अवैध कब्जे पर नाराजगी जताते हुए स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने वन भूमि पर स्टेमेटिक तौर पर अवैध कब्जों पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि सबसे ज्यादा चौकाने वाली बात तो ये है कि उत्तराखंड राज्य और उसके अधिकारी मूक दर्शक बने हुए हैं।

किसके दबाव में बदली जा रही है 100 मीटर की परिभाषा : गहलोत

पूर्व सीएम अशोक गहलोत का कहना है कि उनकी सरकार ने रोजगार के दृष्टिकोण से 100 मीटर की परिभाषा की सिफारिश की थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। हमारी सरकार ने न्यायपालिका के आदेश का पूर्ण सम्मान करते हुए इसे स्वीकार किया और फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया से मैपिंग करवाई। सवाल यह है कि जो परिभाषा सुप्रीम कोर्ट में 14 साल पहले 2010 में ही खारिज हो चुकी थी, उसी परिभाषा का 2024 में राजस्थान की मौजूदा भाजपा सरकार ने समर्थन करते हुए केंद्र सरकार की समिति से सिफारिश क्यों की? क्या यह किसी का दबाव था या इसके पीछे कोई बड़ा खेल है?

संवैधानिक पदों पर बैठे लोग मर्यादा न लांघें : अखिलेश

» सीएम योगी के बयान नमूने पर सपा प्रमुख का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम योगी के बयान पर अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री को जमकर घेरा है। सपा प्रमुख ने पलटवार करते हुए एक्स पर पोस्ट लिखी। जिसमें लिखा- आत्म-स्वीकृति किसी को उम्मीद नहीं थी कि दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई यहां तक पहुंच जाएगी। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग मर्यादा की सीमा न लांघें। भाजपाई अपनी पार्टी के अंदर की खींचातानी को चौराहे पर न लाएं। कहीं कोई बुरा मान गया तो वापस जाना पड़ेगा।

दरअसल, यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सीएम योगी ने कफ सिरप मामले में अपनी बात रखी। प्रश्न क्या है, मुद्दे क्या उठाए जा रहे हैं। पूरा अध्ययन करके आना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कोडीन के मुद्दे को उठाया है, लेकिन मैं आपकी इस मजबूरी को समझता हूं। एक कहावत है- चोर की दाढ़ी में तिनका। उन्होंने नाम लिए बिना कहा- देश के अंदर दो नमूने हैं, एक दिल्ली में और एक लखनऊ में बैठते हैं। जब देश में कोई चर्चा होती है तो वो देश छड़कर चले जाते हैं। मुझे लगता है कि यही आपके बउआ के साथ भी होता है। वह फिर इंग्लैंड सैर सपाटे पर चले जाएंगे और आप यहां चिल्लाते रहेंगे।

सपा कार्यालय के बाहर लगा पोस्टर, एनडीए मतलब- नेशनल ड्रग डिफॉल्टर माफिया

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी लगातार कोडीन कफ सिरप को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमलावर बनी हुई हैं। सपा कार्यालय के सामने कोडीन को लेकर जो पोस्टर लगाया गया है वो पूर्व छात्रसंघ के अध्यक्ष अवनीश यादव ने लगवाया है। ये पोस्टर दो हिस्सों में हैं एक तरफ सपा के पीडीए फॉर्मूले और दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए में अंतर बताया गया है. इस पोस्टर में एनडीए का मतलब एन- नेशनल ड्रग, डी- डिफॉल्टर माफिया और ए- अलायंस लिखा है। इस होर्डिंग में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की कोठी की तस्वीर और दो महंगी गाड़ियों की तस्वीर है। इन सबके साथ एक बुलडोजर भी है जिसमें तेल की जगह कोडीन कफ सिरप डाला जा रहा है और बुलडोज़र खून की उल्टी कर रहा है। पोस्टर के दूसरी तरफ सपा की पीडीए हैं जिसमें पी- पैरामेडिकल एंड मेडिकल कॉलेज,डी- डेवलेपमेंट, ए-अलाइंस लिखा है, इसके साथ ही एक बड़े अस्पताल और एंबुलेंस की तस्वीर है।

गरीब विरोधी है सरकार, लाखों मनरेगा कार्ड रद्द

समाजवादी पार्टी (एसपी) के नेता अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उसके शासन में नफरत, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बेकाबू होकर बढ़ रहे हैं, जबकि बाकी सब कुछ घट रहा है। एमजीएनआरईजीए के मुद्दे पर उन्होंने एक्स पोस्ट में इसके अस्तित्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा शासन में नफरत, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बेकाबू होकर बढ़ रहे हैं, जबकि बाकी सब कुछ घट रहा है, तो एमजीएनआरईजीए कैसे चल सकता है? इसीलिए एमजीएनआरईजीए कार्ड रद्द किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने अतिरिक्त खर्च का बोझ राज्यों पर डालकर इस मामले से पल्ला झाड़ लिया है। साफ शब्दों में कहें तो भाजपा गरीब विरोधी है! सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर अपनी टिप्पणी के साथ-साथ, अखिलेश यादव ने एक इन्फोग्राफिक भी साझा किया, जिसमें छह राज्यों में कथित तौर पर रद्द किए गए एमजीएनआरईजीए कार्डों की संख्या दर्शाई गई है- बिहार 1.04 करोड़, उत्तर प्रदेश- 90.4 लाख, ओडिशा- 41.6 लाख, मध्य प्रदेश- 32.7 लाख, पश्चिम बंगाल- 24.2 लाख और राजस्थान- 10.5 लाख। 16 दिसंबर को, अखिलेश यादव ने वीबी-जी राम जी विधेयक की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह विधेयक राज्य सरकारों पर पूरा बोझ डालेगा।

सपा विधायक अतुल प्रधान ने ट्रैक्टर पर गन्ना लेकर किया प्रदर्शन

सपा विधायक अतुल प्रधान ने ट्रैक्टर पर गन्ना लेकर विधानसभा में विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने गन्ना मूल्य 450 प्रति क्विंटल करने और किसानों का पिछला बकाया भुगतान ब्याज सहित जल्द से जल्द चुकाने की मांग की। अतुल प्रधान ने सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह सरकार केवल किसान हितैषी होने का दिखावा कर रही है, हकीकत में किसान परेशान है और उसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। इस प्रदर्शन के दौरान सपा विधायकों ने %चौधरी चरण सिंह जिंदाबाद% के नारे लगाए और प्रदेश की भाजपा सरकार को %किसान विरोधी% करार देते हुए जमकर नारेबाजी की। अतुल प्रधान ने कहा कि जब तक किसानों को उनकी फसल का उचित दाम नहीं मिलता और बकाया भुगतान नहीं होता, वे सड़क से सदन तक अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चार्जशीट से बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। एंटी-करप्शन ब्यूरो/इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (एसीबी-ईओडब्ल्यू) ने अपनी चार्जशीट में दावा किया है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को राज्य में कथित शराब घोटाले से अपने हिस्से के तौर पर 200 करोड़ रुपये से 250 करोड़ रुपये मिले।

» काली कमाई में भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य की हिस्सेदारी

» 250 करोड़ के लेनदेन का आरोप

राज्य पुलिस की एसीबी-ईओडब्ल्य ने यहां एक विशेष अदालत में दायर मल्टी-करोड़ शराब घोटाले में अपनी सातवीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट में दावा किया कि चैतन्य बघेल ने एक्साइज डिपार्टमेंट के अंदर (पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान, जो 2018-23 तक सत्ता में थी) एक जबरन वसूली रैकेट (सिंडिकेट) को स्थापित करने, कोऑर्डिनेट करने और बचाने में अहम भूमिका निभाई।ष्टक्र श्वह्ल्ल् के एक बयान में कहा गया है कि लगभग 3,800 पन्नों के इस बड़े डॉक्यूमेंट में चैतन्य बघेल को 3,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के कथित घोटाले में आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट के हवाले से बताया, सबूतों से पता चलता है कि चैतन्य ने ऊंचे लेवल पर अपराध की कमाई को मैनेज करने के साथ-साथ अपने हिस्से के तौर पर लगभग 200 करोड़-250 करोड़ रुपये प्राप्त किए।

1.5 करोड़ मतदाताओं के नाम हटवाना चाहती है बीजेपी : ममता

बंगाल की सीएम ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों में होने वाले हैं, ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अपना हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में विपक्षी पार्टी 1.5 करोड़ मतदाताओं के नाम रद्द करवाना चाहती है। ममता बनर्जी ने ये टिप्पणिया नेताजी इंडोर स्टेडियम में तृणमूल कांग्रेस बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं (बीएलए) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव के लिए बाहर से लोगों को यहां लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा 1.5 करोड़ मतदाताओं के नाम रद्द करवाना चाहती है। वे लोकतंत्र को नष्ट करना चाहते हैं... मैंने कल बर्दवान में बिहार पंजीकरण वाली 50 मोटरसाइकिलें आते देखीं। वे चुनाव के लिए बाहर से लोगों को यहां लाने की कोशिश कर रहे हैं... सभी बीएलए को विधायकों, पार्षदों और ब्लॉक अध्यक्षों से एसआईआर (चुनाव प्रचार) के संबंध में परामर्श करना चाहिए। चुनाव आयोग द्वारा किया गया मानचित्रण सरासर गलत है। क्या आपने 2002 के बाद परिसीमन पर विचार किया? चुनाव आयोग 46 मौतों के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने आगे कहा 2002 की चुनाव आयोग सूची और वर्तमान सूची के ईपीआईसी नंबर में कोई मेल नहीं है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के बाद चुनाव आयोग ने 16 दिसंबर को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की, जिसमें 58,20,899 मतदाताओं (7.59 प्रतिशत) को मृत्यु, लापता होने या स्थायी रूप से पलायन करने के कारण सूची से हटा दिया गया। चुनाव आयोग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कुल ,66,37,529 मतदाताओं में से 7,08,16,630 मतदाताओं ने 11 दिसंबर तक अपने गणना प्रपत्र जमा कर दिए थे।

हुमायूं कबीर की विधानसभा सदस्यता समाप्त

पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर के संबंध में कहा कि उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई है। इससे

पहले दिन में, मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी शैली की मस्जिद की नींव रखने के आरोप में टीएमसी द्वारा निलंबित किए जाने के कुछ दिनों बाद, हुमायूं कबीर ने जनता उन्नयन पार्टी नामक एक नई पार्टी का गठन किया। बेलाडांगा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कबीर ने उन आठ उम्मीदवारों के नाम बताए जिन्हें उनकी नई पार्टी राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों में मैदान में उतारेगी। रतपुर के विधायक कबीर ने कहा कि वे मुर्शिदाबाद की दो सीटों - रेजिनगर और बेलडांगा - से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा, हम आपको बाद में ही बता पाएंगे कि हम आखिरकार कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।कबीर ने कहा कि उनका मिशन छह महीने से भी कम समय में होने वाले विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी अब वैसी नहीं रहीं जैसी मैं उन्हें जानता था। वे आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गई हैं।

यूपी में पंचायत चुनाव लड़ेगी आरपीआई : रामदास आठवले

» केंद्रीय राज्यमंत्री बोले- भाजपा से गठबंधन की चाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया(आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा कि पार्टी यूपी के पंचायत चुनाव में हाथ आजमाएगी। सभी सीटों पर पार्टी प्रत्याशी उतारेगी। इसी मकसद से 63 जिलों में कार्यकारिणी का गठन किया गया है। पांच अप्रैल 2026 को डिफेंस एक्सपो मैदान में बड़ी रैली की जाएगी। जिसमें एक लाख से अधिक कार्यकर्ता के भाग लेने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि वह भाजपा के साथ गठबंधन कर 2027-विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती है। चूंकि अभी आरपीआई यूपी में मजबूत नहीं है इसलिए भाजपा गठबंधन नहीं करना चाहेगी। यही वजह है कि प्रत्येक जिले में पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा। जब पार्टी मजबूत होगी तब भाजपा के साथ उसी तरह से गठबंधन होगा जैसा कि केंद्र में है। उन्होंने कहा कि आरपीआई ने हमेशा से ही दलित, शोषित और अल्पसंख्यक समाज की आवाज उठाई है, वही काम अब यूपी में होगा। सोमवार को प्रदेश कार्यकारिणी की समीक्षा बैठक भी की है। जिसमें आगे की रणनीति तय की। आठवले ने यूपी कानून-व्यवस्था समेत सरकार की कार्यशैली की सराहना की। बसपा का प्रदर्शन शून्य हो गया है रामदास आठवले ने कहा कि मायावती तीन बार भाजपा के साथ गठबंधन कर सीएम बनी और एक बार बिना गठबंधन के। इससे स्पष्ट है कि भाजपा के बिना उनकी पार्टी का प्रदर्शन लगातार गिरता रहा है।

राहुल परेशान हैं...अखिलेश को अलग होना चाहिए : आठवले

केंद्र सरकार की सराहना करते हुए आठवले ने कहा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं लेकिन वह असरदार साबित नहीं हो रहे हैं। चुनाव में संविधान बदलने, ईवीएम में गड़बड़ी करने और वोट चोरी करने का आरोप लगाया लेकिन जनता ने एनडीए में ही भरोसा जताया। इसमें राहुल गांधी पूरी तरह फेल हो गए। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस से सपा का नुकसान ही हुआ है। इसलिए अखिलेश को कांग्रेस का साथ छोड़ देना चाहिए।

नीतीश के हरकतों से विवाद गहराया विपक्ष ने एनडीए को चेताया

नहीं थम रही सता व विपक्ष में टकरार

भाजपा भी हुई असहज, नेता बोले माफी मांगे मुख्यमंत्री

» हिजाब मामले में पूरे देश के निशाने पर आए बिहार के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विवाद खत्म होने का जैसे नाम ही नहीं ले रहे हैं। चुनाव खत्म हो चुके हैं नई सरकार बन चुकी है, पर सता पक्ष व विपक्ष में टकरार थम नहीं रही हैं। जहां एनडीए गठबंधन के नेताओं को घेर रहा है वहीं महागठबंधन राजग को कटघरे में खड़ा कर रहा है। अब ताजा विवाद सीएम नीतीश कुमार के एक अभ्यर्थी के हिजाब को हटाने को लेकर उठ गया है।

उनकी इस हरकत से जहां उनकी सहयोगी पार्टी बीजेपी असहज हैं वहीं राजद, कांग्रेस समेत पूरे देश में उनकी थू-थू हो रही है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक उन पर हमले हो लगे हैं। हालांकि कुछ लोग उनका समर्थन भी कर रहे हैं। कोई कहा रहा है नीतीश अब अपना असली रंग दिखा रहे। काई यें कहते हुए सुनाई दे रहा है कि एक हाथ तोड़कर दूसरे हाथ में दे देता। महिला डॉक्टर का मंच पर हिजाब हटाने को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विवादों में घिर गए हैं। विपक्षी नेता इसे मुस्लिम महिला का अपमान बता रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि इसके लिए नीतीश मांगी मांगे। वहीं, जदयू और बीजेपी अब नीतीश के बचाव में उतर आई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि महिला नौकरी से इनकार करें या जहन्नुम में जाए।

उनके खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए : अबू आज़मी

अबू आज़मी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी कड़ी आलोचना की, जिन पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान एक महिला का हिजाब हटाने की कोशिश करने का आरोप लगा था और जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। अबू आज़मी ने आगे कहा, उन्होंने जो किया वह सरासर गलत है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। मुख्यमंत्री जैसे पद पर बैठे व्यक्ति का ऐसा करना, उनके खिलाफ मामला दर्ज होना चाहिए।

नीतीश कुमार को पश्चाताप करना चाहिए : मायावती

मायावती ने कहा कि यह मामला महिला सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा है, जिसे मुख्यमंत्री के सीधे हस्तक्षेप से अब तक सुलझ जाना चाहिए था। मंत्रियों की बयानबाजी से विवाद और गहराया है, ऐसे में मुख्यमंत्री को पश्चाताप कर इस प्रकरण को समाप्त करना चाहिए। वहीं, मायावती ने बहराइच में पुलिस परेड के दौरान एक कथावाचक को सलामी दिए जाने के मामले पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलिस परेड और सलामी की अपनी परंपरा, अनुशासन और मर्यादा होती है, जिससे खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। इस मामले में डीजीपी को संज्ञान लेकर सही कार्रवाई करनी चाहिए।

हरिभूषण ठाकुर- हिजाब पर लगे बैन

बीजेपी के वरिष्ठ नेता हरिभूषण ठाकुर ने कहा कि नीतीश कुमार ने कुछ गलत नहीं किया है। हिजाब पर पूरे भारत में बैन लगना चाहिए। सरकारी नौकरियों में तो इस पर बैन लगा ही सकते हैं, क्योंकि हिजाब से आतंकवाद पनपता है। आतंकी वारदात को अंजाम देने के बाद हिजाब पहनकर भाग जाते हैं। हिजाब के पीछे वे अपनी असल पहचान छिपाते हैं। जिस किसी को भी हिजाब पहनना है, वो पाकिस्तान चला जाए। माता-पिता लगा रहे जवान बेटे के इच्छामृत्यु की गुहार, सुप्रीम कोर्ट बोला- अब हमें अंतिम फैसला लेना होगा।

संजय निषाद के बयान पर घमासान

संजय निषाद से जब नीतीश कुमार के हिजाब विवाद पर सवाल किया गया, तो उन्होंने बिहार के सीएम के बयाव में ऐसा बयान दे दिया, जिस पर बवाल खड़ा हो गया है। संजय निषाद ने कहा- नकाब छू दिया तो इतना हंगामा हो गया, कहीं और छू देते तब क्या होता? हालांकि, संजय निषाद ने अब अपने बयान पर सफाई दी है कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। भोजपुरी में यह लोगों से किसी भी मुद्दे को ज्यादा तूल न देने और संयम बरतने की सलाह देने का एक आम तरीका है। मैंने हिंदी में भी उसी अंदाज का इस्तेमाल किया और मुझे नहीं पता था कि यह इतना बड़ा मुद्दा बन जाएगा।

इम्तियाज जलील- हाथ तोड़कर हाथ में दे देता

एआईएमआईएम के नेता और पूर्व सांसद इम्तियाज जलील ने संजय निषाद के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। यवतमाल में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए जलील ने कहा कि अगर संजय निषाद उनके सामने होते, तो वह उनका एक हाथ तोड़कर दूसरे हाथ में दे देते। जो लोग हमारी महिलाओं की गरिमा का अपमान करते हैं, हम उनके हाथ तोड़ देंगे। ऐसे बयानों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

नौकरी को ठुकरा दे या जहन्नुम में जाए : गिरिराज सिंह

मुस्लिम महिला डॉक्टर का हिजाब हटाने के मामले में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बचाव करते हुए नया विवाद खड़ा कर दिया। गिरिराज सिंह ने कहा कि यह महिला पर निर्भर है कि वह सरकारी नौकरी को ठुकरा दे या 'जहन्नुम में जाए। गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने 'कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने नीतीश का बचाव करते हुए तर्क दिया, अगर कोई नियुक्ति पत्र लेने जा रहा है, तो क्या उसे अपना चेहरा नहीं दिखाना चाहिए? क्या यह कोई इस्लामिक देश है? नीतीश कुमार ने अभिभावक की भूमिका निभाई। अगर आप पासपोर्ट बनवाने जाते हैं, तो क्या आप अपना चेहरा नहीं दिखाते? जब आप हवाई अड्डा जाते हैं, तो क्या अपना चेहरा नहीं दिखाते? लोग पाकिस्तान और इंग्लिशस्तान की बातें करते हैं, लेकिन यह भारत है, भारत में कानून का राज है।

नीतीश अपना असली रंग दिखा रहे : उमर अब्दुल्ला

उमर अब्दुल्ला ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर मुस्लिम महिला का नकाब हटाने को लेकर निशाना साधा और कहा कि वह (नीतीश) धीरे-धीरे अपना असली रंग दिखा रहे हैं। अब्दुल्ला ने कहा, कभी धर्मनिरपेक्ष नेता के रूप में पहचाने वाले नीतीश कुमार अब धीरे-धीरे अपना असली रंग दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार द्वारा एक मुस्लिम महिला चिकित्सक का नकाब हटाना गलत था और इसे किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। कभी धर्मनिरपेक्ष नेता के रूप में पहचाने जाने वाले नीतीश कुमार अब अपना असली रंग दिखा रहे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरकार को उठाना होगा कुछ गंभीर कदम

केंद्र सरकार चाहे आर्थिक हालात सही होने के चाहे जितने दावे कर रहे हों पर डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा का गिरता सतर अपने-आप बहुत कुछ कह रहा है। सरल शब्दों में कहें तो रुपए के कमजोर होने से भारत का आयात महंगा हो जाता है, क्योंकि वैश्विक व्यापार में डॉलर सबसे प्रभावशाली मुद्रा है- खासकर पेट्रोलियम, कमोडिटी, सोना, तांबा जैसी वस्तुओं के मामले में। सरकार को कुछ गंभीर कदम उठाकर इस मामले से पार पाना होगा। हालांकि कमजोर रुपया पूरी तरह नकारात्मक भी नहीं है। इससे भारतीय निर्यात अधिक प्रतिस्पर्धी बनता है और कई क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था को लाभ मिलता है। अल्पकाल में रुपए की गिरावट से महंगाई का दबाव, आयात-निर्भर उद्योगों के मुनाफे और शेयर बाजार के प्रतिफल पर असर पड़ सकता है, लेकिन इसके कुछ सकारात्मक पहलू भी हैं। अर्थशास्त्रियों के पास अपने-अपने तर्क हो सकते हैं, पर भारतीय परिवार इस गिरावट की कठोर सच्चाई से बच नहीं सकते।

उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र विदेश में पढ़ाई के लिए सालाना 50 हजार डॉलर खर्च करता है तो डॉलर 90 रुपए होने पर परिवार को अब करीब 45 लाख रुपए सालाना चुकाने पड़ते हैं, जबकि डॉलर 80 रुपए के समय यही खर्च 40 लाख रुपए था यानी खर्च में 12-13 प्रतिशत की बढ़ोतरी। यही 12-13 प्रतिशत की अतिरिक्त मार तब भी पड़ती है, जब छात्र डॉलर में शिक्षा ऋण लेता है व ब्याज चुकाता है। रुपए की कमजोरी का पहला असर परिवहन लागत और रोजमर्रा की घरेलू वस्तुओं पर दिखता है। भारत कच्चे तेल के मामले में लगभग 90 प्रतिशत तक आयात पर निर्भर है और ये आयात मुख्यत: डॉलर में है। इसका सीधा असर पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत फिलहाल 60-65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है, जो पिछले वर्ष की औसत कीमत से 10-15 डॉलर कम है। इसलिए अभी इसका पूरा असर दिखाई नहीं दे रहा, लेकिन 1980 के दशक के तेल संकट या बाद के वर्षों में कीमतों के तेज उछाल को लोग आज भी नहीं भूले हैं। भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातकों में है। यदि सरकार ने रुपए में व्यापार के तहत रूस से रियायती तेल खरीदने के विकल्प को सीमित कर दिया और अमरीका व खाड़ी देशों जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर अधिक निर्भरता बढ़ी तो मांग-आपूर्ति का दबाव कीमतों को प्रभावित करेगा। पेट्रोल, डीजल और ऊर्जा क्षेत्र पर बढ़ते दबाव से परिवहन लागत बढ़ेगी, जिससे फल-सब्जी जैसी आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हो सकती हैं। यही कहानी आयातित लैपटॉप, स्मार्टफोन और दवाओं की भी है। भारत ने 1980 के दशक तक स्थिर विनिमय दर नीति अपनाई हुई थी।

“ सरकार को कुछ गंभीर कदम उठाकर इस मामले से पार पाना होगा। हालांकि कमजोर रुपया पूरी तरह नकारात्मक भी नहीं है। इससे भारतीय निर्यात अधिक प्रतिस्पर्धी बनता है और कई क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था को लाभ मिलता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

‘जी-राम-जी’ बनाम मनरेगा की तार्किकता का प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय संसद की बजाय इथियोपियाई संसद को चुना, विपक्ष के नेता राहुल गांधी म्यूनिख में एक फैंसी बाइक चलाते हुए देखे गए, जबकि उन्हें लोकसभा में बने रहकर राष्ट्र को दरपेश अनेकानेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहस करनी चाहिए थी, वहीं विदेश मंत्री एस. जयशंकर राज्यसभा की बजाय इस्राइल में थे। गत सप्ताह, शीतकालीन सत्र में सदन से तीन प्रमुख नेताओं के नदारद रहने पर, आप हैरान होंगे क्या यह संसद की प्रासंगिकता का प्रश्न नहीं है? यह एक अल्पकालीन सत्र था, हालिया इतिहास के सबसे छोटे सत्रों में से एक। लेकिन इसमें लाए गए महत्वपूर्ण कानूनों की कोई कमी नहीं थी, इनमें सबसे अहम है, प्रति परिवार, प्रति वर्ष 125 दिनों के काम के लिए मजदूरी से संबंधित ‘जी-राम-जी कानून’, जिसको सत्र समाप्त होने से एक दिन पहले पारित किया गया।

चूंकि सत्तापक्ष के पास हमेशा से संख्या बल रहा है, इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं था कि ‘जी-राम-जी’ मनरेगा की जगह ले लेगा, भले ही कांग्रेस ने संसद के बाहर लगी गांधी की प्रतिमा के सामने कितने भी विरोध प्रदर्शन किए हों। विपक्ष ने भी यह पूछा कि कानून का नाम क्यों बदला जा रहा है। क्यों महात्मा गांधी के संक्षिप्त नाम के पहले दो अक्षर एमजी को राम से बदला जा रहा है, जबकि सरकार वर्णमाला के किसी भी अन्य शब्द को चुन सकती थी। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जिन्होंने कानून को पेश करने के काम की अगुवाई, अन्यथा बढ़िया ढंग से की, उनके पास कोई उचित जवाब नहीं था। संसद में गांधी के आदर्श ‘राम राज्य’, स्वयं भगवान राम के प्रति उनकी निष्ठा के बारे में भाषणों की गूंज सुनाई दी- लेकिन इस बात का कोई असल कारण नहीं बताया गया कि मनरेगा में बदलाव क्यों किया गया, न तो बातों में और न ही कार्यरूप में। दिलचस्प बात यह है कि ‘जी-राम-जी’ का एक पिछला स्वरूप भी था, जिसका जीवनकाल 24 घंटे का था। इसे ‘पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना’ का नाम दिया गया था, जो कि अंग्रेजी में लिखे मूल नामकरण, ‘महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम’ का नजदीकी हिंदी अनुवाद था।

साफ है, भाजपा ने महात्मा गांधी, या पूज्य बापू को प्रतीकात्मक रूप से राम के नाम से बदलने का फैसला किया। क्यों? वह हम नहीं जानते। कुछ लोग कहेंगे, आखिर नाम में क्या रखा है? कुछ लोगों का जवाब होगा, सब कुछ है। कि बापू की मृत्यु के लगभग

78 साल बाद, उनका नाम मिटाने की कोशिश है, जिसकी अहमियत को शायद, हम समझ भी न पाएं। गांधी मां-बेटी की जोड़ी ने नारे लगाए और सदन के बाहर मार्च किया, लेकिन कुछ हद तक यह सब आधा-अधूरा था। इस बीच, ‘गांधी परिवार’ के उत्तराधिकारी म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू की साझेदारी में बन रही टीवीएस-450 सीसी मोटरसाइकल चलाते दिखे। सवाल यह बना हुआ है कि किस देश में। कुछ ही महीने पहले, राहुल ने बिहार चुनाव में कांटे की लड़ाई लड़ने की बजाय, ‘पार्टी का विस्तार’ करने के लिए दक्षिण अमेरिका जाने का फैसला किया था। ऐसा लगता है कि इस हफ्ते उनके पदचिन्ह जर्मनी में ही बने रहेंगे। अवश्य ही, जिस किस्म की दिखावेबाजी आजकल विपक्ष कर रहा है, वह आत्मघाती जैसा है। निश्चित तौर पर, अगर यह सब थोड़ा और समय तक चलता रहा, तो जल्द ही कांग्रेस पार्टी को पुन: एकजुट रखना न केवल असंभव होगा, बल्कि घातक भी होगा। हम जानते हैं कि प्रधानमंत्री संसद की गहमागहमी में इसलिए मौजूद नहीं थे क्योंकि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौता हस्ताक्षरों के लिए तैयार था— यूके के बाद दूसरी संधि— लेकिन यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि इथियोपिया और जॉर्डन के दौरे इंतजार क्यों नहीं कर सकते थे। जॉर्डन नरेश हुसैन दो साल पहले ही भारत की यात्रा पर आए थे; वापसी दौरा किसी और वक्त भी रखा जा सकता था। जहां तक इथियोपिया की बात है, जिस संसद भवन में मोदी को बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था, भले ही वह चीनियों ने न बनाया हो, लेकिन पास के अदीस अबाबा में अफ्रीकी संघ का मुख्यालय उन्होंने ही बनाया है।

दरअसल, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने अफ्रीका भर में 15 मुल्कों के संसद भवन बनाए हैं, लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता इतनी है। बहरहाल, गत सप्ताह मोदी को इथियोपिया और ओमान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिले—ये उनके 28वें और 29वें अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार हैं। इस बीच, जब राहुल जर्मनी में छुट्टियां मना रहे थे तो एक कांग्रेस ने बिना सोचे-समझे सदन के बीचों-बीच आकर हंगामा किया। लेकिन यह तृणमूल कांग्रेस है, न कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, जिसने गुरुवार की रात को दिल्ली की तीखी ठंड में ‘जी-राम-जी’ पारित होने के विरोध में संसद की सीढ़ियों पर रात्रि के अधिकांश समय धरना दिया।

आइसिस की जड़ों को भारत में ढूंढ़ने की जरूरत

पुष्परंजन

सीरिया के शासन प्रमुख अपने देशवासियों के साथ गर्व महसूस कर रहे हैं। वजह, अहमद अल-अहमद हैं। सीरियाई मूल का अहमद अल-अहमद, सिडनी के सदरलैंड शायर में एक दुकान चलाता है। बौंडी बीच पर उसके कारनामों ने उसे दुनियाभर में एक शांत दुकानदार से बहादुरी के प्रतीक में बदल दिया। हथियारबंद हमलावरों का सामना करने की कोशिश में अल-अहमद को दो गोलियां लगीं। उन्हें सिडनी के एक अस्पताल में तत्काल ले जाया गया, वहां उनकी सर्जरी हुई, और अब वो ठीक हैं। न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर, क्रिस मिन्स ने उनसे मिलने के बाद फेसबुक पर लिखा—‘अल-अहमद की अविश्वसनीय बहादुरी ने निस्संदेह अनगिनत जानें बचाईं, जब उन्होंने अपनी जान का रिस्क लेकर एक आतंकवादी को निहत्था किया। ये है असली हीरो।’

इस हमले की विश्वव्यापी निंदा की गई है। अल-अहमद ने सीरिया का सिर ऊंचा किया। भारत शर्मिंदा, और सन्नाटे में है। वजह हमलावरों का हैदराबाद कनेक्शन है। बौंडी बीच हमले में मृतकों की संख्या 16 हो गई है, जिसमें ताबड़तोड़ गोलियां बरसाने वालों में से एक बंदूकधारी भी शामिल है, जिसकी पहचान पुलिस ने 50 वर्षीय साजिद अकरम के रूप में की है। उस शख्स का 24 वर्षीय बेटा नवीद अकरम, गोली लगने के बाद अस्पताल में गंभीर हालत में बताया जा रहा है। साजिद अकरम हैदराबाद का था, और उसका बेटा नवीद अकरम ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट धारक था। बौंडी बीच शूटर साजिद अकरम 1998 में ऑस्ट्रेलिया चला गया था। उसके रिश्तेदारों ने बताया, ‘साजिद अकरम 2001 में अपनी यूरोपीय मूल की पत्नी को एक निकाह समारोह के लिए हैदराबाद लाया था, और अपने बेटे नवीद अकरम को 2004-05 में अपने माता-पिता से मिलवाने के लिए लाया था।’ ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने जानकारी दी, कि दोनों जने पिछले महीने फिलीपींस गए थे, पिता भारतीय पासपोर्ट पर, और बेटा ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट पर।

फिलीपींस के अधिकारियों ने कहा कि उनकी यात्रा का मकसद जांच के दायरे में है, और यह कहना पक्का नहीं है कि वे किसी आतंकवादी समूह से जुड़े थे, या उन्हें उस देश में ट्रेनिंग मिली थी। मंगलवार को अपने बयान में, तेलंगाना पुलिस ने कहा कि 1998 में ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद से साजिद अकरम छह बार भारत आया था, मुख्य रूप से पारिवारिक कारणों से। बयान में यह भी कहा गया, कि भारत छोड़ने से पहले उसका कोई ‘बुरा रिकॉर्ड’ नहीं था। हमलावरों ने बोंडी बीच पर हाहाकारी हमले से पहले फिलीपींस में एक महीना बिताया था। फिलीपींस में ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन ने कन्फर्म किया है, कि बाप-बेटे नरसंहार से पहले उनके देश में 28 दिन रुके थे। इमिग्रेशन प्रवक्ता डाना सैंडोवल ने बुधवार को कहा, कि 50 साल का साजिद अकरम और उसका बेटा 24 साल का नवीद अकरम 1 नवंबर, 2025 को निनॉय एक्विनो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, जिसके बाद उन्होंने दावो इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट ली थी। 28 नवंबर को बाप-बेटे, दावो सिटी से मनीला के लिए निकले, और फिलीपीन एयरलाइंस की फ्लाइट ‘पीआर 212’ से वापस सिडनी चले गए।

फिलीपींस का दावो, मिंडानाओ के दक्षिणी द्वीप का सबसे बड़ा शहर है, जहां मुस्लिम विद्रोही लंबे समय से एक स्वतंत्र राज्य बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वर्ष 2017 में, आइसिस लड़ाकों ने मिंडानाओ में मारावी शहर को पांच महीने तक घेरे रखा, जिससे फिलीपींस सरकार को एक पूर्ण युद्ध शुरू करना पड़ा, जिसमें आइसिस के प्रमुख नेताओं को मार गिराया गया, और लड़ाकों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, कैथोलिक बहुल देश फिलीपींस में सैकड़ों इस्लामिक स्टेट के लड़ाके अभी भी मौजूद हैं। आतंकियों के अंतर्राष्ट्रीय आका मिंडानाओ में गरीबी, अंतर्विरोध व सरकारी दमनचक्र का फायदा उठाकर भर्ती अभियान जारी रखे हुए हैं। विशेषज्ञ बताते हैं, दहशतगर्दों के ऑपरेटर्स ने अपनी रणनीति बदल ली है। वे छोटे-छोटे गुटों में बंट गए हैं, लेकिन फिर भी इस्लामिक स्टेट के प्रति वफादार हैं। उन्होंने पुलिस बलों और ईसाई पूजा स्थलों को निशाना बनाना जारी रखा है। 2023 में, इस्लामिक आतंकवादियों ने मारावी में मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी में एक कैथोलिक मास के दौरान एक विस्फोटक डिवाइस से धमाका किया, जिसमें चार लोग मारे गए, और दर्जनों घायल हो गए।

फिलीपींस में आतंकवाद विरोधी विशेषज्ञ रोमेल बानलाओई ने कहा, कि मारावी घेराबंदी के बाद इस क्षेत्र में उग्रवाद आंदोलनों में बदलाव आया है। बानलाओई ने कहा, ‘पहले, इनका ध्यान एक इस्लामिक राज्य बनाने पर था। अब यह मध्यपूर्व हिंसा से विस्थापित मुसलमानों, फलस्तीनियों की तथाकथित मदद करने में बदल गया है।’ हाल के वर्षों में, फिलीपींस सरकार ने इनमें से कुछ लड़ाकों को शांतिपूर्ण ढंग से जीवनयापन का अवसर देने की कोशिश की है। फिलीपींस ने मुस्लिम मिंडानाओ में बंगसामोरो स्वायत्त क्षेत्र भी स्थापित किया, ताकि निवासियों को अधिक राजनीतिक स्वायत्तता का अहसास हो। साथ ही चरमपंथी समूहों से उनके समर्थन आधार को छीना जा सके। इस शांति प्रक्रिया के कारण पहले से निर्धारित स्थानीय चुनाव में बार-बार देरी हुई है। आतंकवाद विशेषज्ञ एक बात तो मानते हैं, कि आइसिस की जड़ें समाप्त नहीं हो पाई हैं, वो दुनिया के मुख्तलिफ हिस्सों में पनप रही हैं, जो इनका मुख्य ब्रीडिंग ग्राउंड रहा है।

शर्दियों में बनाएं यहां घूमने का प्लान

भारत में दिसंबर और जनवरी में ज्यादा ठंड पड़ती है इन महीनों घूमने का मजा ही कुछ और है। खासकर साल का आखिरी महीना दिसंबर बहुत अहम है। यह महीना यादों का पिटारा बन सकता है। इस महीने में लोग बीते हुए साल को अलविदा कहते हैं और नए साल के स्वागत की तैयारी शुरू कर देते हैं। ऐसे में साल का अंत खुशी और उल्लास के साथ करने के लिए लोग अपने परिवार के साथ इस महीने में कुछ खास पल बिताने की योजना बनाते हैं। हर साल दिसंबर और जनवरी में पर्यटन अन्य महीनों की तुलना में बढ़ जाता है, क्योंकि परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ सफर पर जाने का ये महीना सबसे उपयुक्त होता है। दिसंबर की सर्दी में बर्फीली सफेद चादर को देखने के लिए लोग हिल स्टेशनों की सैर करते हैं तो वहीं तो किले और रेगिस्तानी इलाके गर्मी की तपिश में झुलसा देने वाले होते हैं, वहां भी दिसंबर की खिली धूप सुकून सी दे जाती है। समुद्री तटों की सैर के लिए भी यह महीना बेहतर वक्त होता है।

कश्मीर

जम्मू-कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है और यह सच में अपने नाम के अनुरूप खूबसूरत है। सर्दियों में यह जगह और भी खास हो जाती है, जब चारों तरफ बर्फ की चादर बिछ जाती है और पहाड़, झीलें, घाटियां मन मोह लेने वाले दृश्य बन जाते हैं। देश ही नहीं, विदेशों से भी लाखों पर्यटक यहां घूमने आते हैं। कश्मीर की राजधानी श्रीनगर झेलम नदी के किनारे बसा है। यहां बोटिंग, ट्रैकिंग, बर्ड वॉचिंग जैसी कई एक्टिविटी का आनंद लिया जा सकता है। कश्मीरी संस्कृति और खाना भी यहां का बड़ा आकर्षण है। गुलमर्ग एक सुंदर हिल स्टेशन है, जो बारामूला जिले में स्थित है। यह जगह स्कीइंग और गंडोला राइड के लिए मशहूर है। बर्फ से ढकी पहाड़ियां, हरियाली और शांत वातावरण इसे खास बनाते हैं।

तमिलनाडु

तमिलनाडु में प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर, कन्याकुमारी या ऊटी के खूबसूरत हिल स्टेशन को देखने के लिए दुनिया भर से पर्यटक आते हैं। यह राज्य उस समय के महान राजवंशों के किलों और महलों के खंडहरों को देखने के लिए एक बहुत अच्छी जगह है। इसके अलावा यहां पर सर्दियों के दौरान नाट्यंजलि और मामल्लपुरम नृत्य उत्सव आयोजित किए जाते हैं, जो अपनी ओर दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करते हैं।

शिलॉन्ग

उत्तराखंड और हिमाचल घूम लिया हो तो आप इस बार शिलांग और गंगटोक घूम सकते हैं। ये दोनों ही जगहें बेहद सुंदर हैं और टूरिस्टों को अपनी ओर अट्रैक्ट करती हैं। शिलांग हिल स्टेशन प्रकृति की गोद में बसा है। खासी पहाड़ियों से घिरा हुआ यह हिल स्टेशन पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। शिलांग मेघालय की राजधानी है। यहां का शांत वातावरण आपको बेहद पसंद आएगा। इस हिल स्टेशन की तुलना स्कॉटलैंड से की जाती है। यहां देश और विदेश से टूरिस्ट शिलांग की सैर के लिए आते हैं। शिलांग के पहाड़, हरियाली, नदी, झरने और वादियां टूरिस्टों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। टूरिस्ट यहां शिलांग पीक, लेडी हैदरी पार्क, कैलांग रॉक, वार्डस झील और मीठा झरना देख सकते हैं।

हंसना मना है

सिपाही-घटना स्थल से थानेदार को फोन लगाकर बोला, जनाब यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मार दी! थानेदार-क्यों? सिपाही- क्योंकि उसका पति पोछा लगे हुए गीले फर्श पर चलने लगा था! थानेदार- तुमने गिरफ्तार कर लिया उसको! सिपाही- नहीं साहब, पोछा अभी सूखा नही है.!

एक मुर्गी के बच्चे ने अपनी मां से पूछा? मां- इंसान पैदा होते ही अपना नाम रख लेते हैं, हमलोग अपना नाम क्यों नहीं रखते, मां ने कहां-बेटा, अपनी बिरादरी में नाम मरने के बाद रखा जाता है! चिकेन टिक्का, चिकेन चिली, चिकेन तंदूरी, चिकेन मलाई, चिकेन कढ़ाई..

परीक्षा में एक लड़की ने बगल वाली सीट पर बैठे लड़के से पूछा- यमक अलंकार की परिभाषा बताओ एक उदाहरण के साथ, लड़का बोला- जब एक ही शब्द दो बार आवे और दोनों शब्दों का अर्थ भिन्न भिन्न हो तो उसे यमक अलंकार कहते हैं, जैसे- तुम रूठा ना करो, मेरी जान! मेरी जान निकल जाती है। लड़के को नोबल पुरस्कार देने पर विचार किया जा रहा है.?

लड़का- तुम लड़कियां विदाई के टाइम इतना रोती क्यों हो? लड़की- जब तू जाएगा ना, बिना तनख्वाह के दूसरे के घर का काम करने तो तू भी रोयेगा।

कहानी | मित्र-द्रोह का फल

बहुत साल पहले हिम्मत नगर में दो पक्के दोस्त धर्मबुद्धि और पापबुद्धि रहा करते थे। एक दिन पापबुद्धि के मन में ख्याल आया कि क्यों न दूसरे नगर जाकर कुछ पैसा कमाया जाए। पापबुद्धि ने सोचा धर्मबुद्धि को भी साथ ले चलें, और फिर लौटते समय वो धर्मबुद्धि से उसका पैसा हड़प लेगा। फिर पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि को दूसरे शहर जाने के लिए मना लिया। दोनों अपने नगर से खूब सारा सामान लेकर दूसरे शहर पहुंच गए। कुछ महीनों तक वहीं रहकर धर्मबुद्धि और पापबुद्धि ने सामान को काफी अच्छी कीमत में बेचा। जब खूब रकम इकट्ठा कर ली, तो दोनों अपने नगर की ओर लौटने लगे। पापबुद्धि धर्मबुद्धि को जंगल के रास्ते से लेकर आया। पापबुद्धि ने कहा, मित्र देखो, अगर हम अपने नगर इतना सारा धन लेकर जाते हैं, तो समस्या हो सकती है। चोर इसे चुरा सकते हैं, ऐसे में हम आधा धन इसी जंगल में छिपा देते हैं। धर्मबुद्धि ने हां कर दी। पापबुद्धि ने गड्ढा खोदकर धन को जंगल में एक पेड़ के पास छिपा दिया। फिर कुछ दिनों बाद बिना अपने दोस्त को बताए, पापबुद्धि अकेले सारा धन उस जंगल से लेकर आ गया। समय बीतता गया और एक दिन धर्मबुद्धि को पैसे की जरूरत पड़ी। तो धर्मबुद्धि सीधे अपने मित्र पापबुद्धि के पास गया और कहने लगा, मुझे पैसों की जरूरत है, जंगल से पैसे निकालकर ले आते हैं। पापबुद्धि राजी हो गया और दोनों जंगल की ओर निकल गए। जैसे ही धर्मबुद्धि ने गड्ढा खोदा, तो वहां पैसा न देखकर चौंक गया। इतने में ही पापबुद्धि ने शोर मचाना शुरू कर दिया और धर्मबुद्धि पर चोरी का आरोप लगाया। हो-हल्ला होने के बाद पापबुद्धि न्यायालय पहुंचा। न्यायाधीश ने सारा मामला सुना तो सच्चाई का पता लगाने के लिए अपनी दिव्य शक्ति से परीक्षा लेने का निर्णय लिया। इसके बाद न्यायाधीश ने दोनों को आग में हाथ डालने का आदेश दिया। चतुर पापबुद्धि ने कहा, अग्नि में हाथ डालने की कोई जरूरत नहीं है, खुद वन देव मेरी सच्चाई की गवाही देंगे। न्यायाधीश ने उसकी बात मान ली। धूर्त पापबुद्धि पास के ही एक सूखे पेड़ में छिप गया। जैसे ही न्यायाधीश ने वन देवता से पूछा कि आखिर धन की चोरी किसने की तो जंगल से आवाज आई, धर्मबुद्धि ने चोरी की है। इतना सुनते ही धर्मबुद्धि ने जिस पेड़ की तरफ से आवाज आई, उसी पेड़ को आग के हवाले कर दिया। आग लगते ही पेड़ से चिल्लाते हुए पापबुद्धि बाहर निकला और झुलसी हालात में सारा सच बयां कर दिया। सच्चाई का पता चलते ही न्यायाशीध ने पापबुद्धि को फांसी की सजा सुना दी और धर्मबुद्धि को उसके पैसे दिलवा दिए।

7 अंतर खोजें

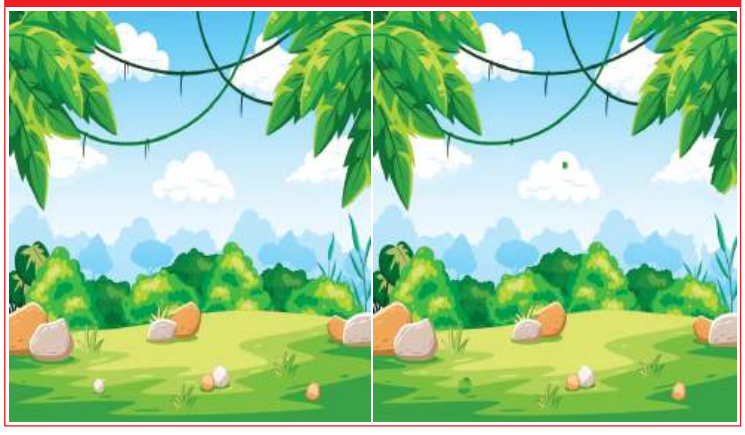

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा।

वृषभ यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। जोखिम न लें। अप्रत्याशित लाभ संभव है। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

मिथुन विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कर्क बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है।

सिंह मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा।

वृश्चिक राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे।

धनु संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें।

मकर किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है।

कुम्भ व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें। अल्प परिश्रम से ही लाभ होने की संभावना है। खर्चों में कमी करने का प्रयास करें। दौड़धूप अधिक होगी।

मीन मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

अब डॉन 3 से छाएंगे रणवीर सिंह, एक्टर ने शुरू की ट्रेनिंग

कई डिले के बाद, डॉन 3 आखिरकार आगे बढ़ रही है। फरहान अख्तर ने अगस्त 2023 में इस फिल्म की अनाउंसमेंट की थी और शाहरुख खान के बाद रणवीर सिंह को नए डॉन के रूप में कफर्म किया था। इस फिल्म की शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू होने की उम्मीद थी, लेकिन फरहान के एक्टिंग कमिटमेंट्स और अन्य इश्यूज के कारण इसमें देरी हुई। इसके बाद विक्रांत मैसी के खलनायक की भूमिका से बाहर होने की खबरों के कारण भी फिल्म के बंद होने की अफवाहें तक फैली गई थीं। हलांकि, निर्माता ने क्लियर कर दिया है कि डॉन 3 जरूर बनेगी। रणवीर ने एक्शन सीन्स की ट्रेनिंग लेना भी शुरू कर दिया है।

रणवीर सिंह ने फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है। धुरंधर की सफलता के बाद वे समय बर्बाद नहीं करना चाहते। खबरों के मुताबिक, उन्होंने पिछले हफ्ते से ही एक्शन ट्रेनिंग शुरू कर दी है। अब जब शेड्यूल तय हो रहे हैं, तो निर्माता तेजी से काम करना चाहते हैं। रणवीर फिल्म में कई दमदार एक्शन सीन करेंगे। पहले शेड्यूल की शूटिंग अगले साल जनवरी के अंत या फरवरी की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है। हाल ही में कृति सेनन की तेरे इश्क में हिट हुई है और अब एक्ट्रेस डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ नजक आएंगी। वे सिर्फ ग्लैमरस लुक में ही नहीं नजर आएंगी बल्कि फिल्म में एक्शन सीन भी करेंगी, ठीक वैसे ही जैसे प्रियंका चोपड़ा ने पिछली डॉन फिल्मों में रोमा का किरदार निभाया था। पहले शेड्यूल के कुछ हिस्से जेद्दा में शूट किए जाएंगे।

विक्रांत मैसी के फिल्म छोड़ने के बाद, खबरें आईं कि अभिनेता अर्जुन दास विलेन के रूप में फिल्म में शामिल हो गए हैं। हालांकि, फिल्म निर्माता अब भी विक्रांत मैसी को लेकर एक्साइटेड हैं और उनसे फिल्म को लेकर बातचीत फिर से शुरू हो गई है और विक्रांत इच्छुक हैं। टीम अब उनकी तारीखों के हिसाब से काम कर रही है और उन्हें ध्यान में रखते हुए स्क्रिप्ट में छोटे-मोटे बदलाव किए जा रहे हैं। शाहरुख खान और प्रियंका चोपड़ा जोनास के कैमियो अपीयरेंस की भी खूब चर्चा है।

बॉलीवुड | गपशप

अब सामंथा प्रभु के साथ हुई धक्का-मुक्की

बॉलीवुड | चर्चा

साउथ सिनेमा के फैंस अपने फेवरेट हीरो/हीरोइन के लिए दीवाने रहते हैं। वो उनकी एक झलक पाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन पिछले कुछ वक्त में जो भी सोशल मीडिया पर देखा जा रहा है, वो परेशान कर देने वाला है। हाल ही में साउथ एक्ट्रेस निधि अग्रवाल के साथ फैंस ने बदतमीजी की थी।

निधि, प्रभास की अगली फिल्म द राजा साब के इवेंट से बाहर निकलकर अपनी गाड़ी की तरफ जा रही थीं। तभी फैंस की भीड़ ने उन्हें घेर लिया और धक्का-मुक्की करने लगे। एक्ट्रेस को उनके बॉडीगार्ड ने जैसे-तैसे करके गाड़ी में बिठाया। लेकिन निधि इस घटना से काफी दुखी हुई थीं। अब बस चंद दिनों में वैसा ही कुछ दोबारा देखा गया। हालांकि इस बार ये घटना पॉपुलर साउथ एक्ट्रेस समांथा रुथ प्रभु के साथ हुई।

रविवार को समांथा हैदराबाद में एक शॉप का उद्घाटन करने पहुंची थीं। वहां वो काफी देर तक रहीं। फिर, इवेंट से जाते वक्त उनके इर्द-गिर्द फैंस की भीड़ जमा हो गई। इस पूरी घटना का क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल है। जिसमें देखा जा सकता है कि सामंथा को अपनी गाड़ी की तरफ जाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

सामंथा एक पल के लिए लड़खड़ा भी गई थीं। लेकिन उन्हें उनके बॉडीगार्ड द्वारा बचाया गया। फैंस लगातार एक्ट्रेस को धक्का देते रहे। सामंथा इस दौरान काफी असहज दिखीं। उनके चेहरे पर परेशानी साफ झलक रही थी। फिर जैसे-तैसे करके उन्हें उनकी गाड़ी में बैठाया गया।

बॉलीवुड | रिलीज

अजय देवगन की दृश्यम 3 का टीजर रिलीज, 2 अक्टूबर को होगी रिलीज

अजय देवगन की सुपरहिट सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म दृश्यम के तीसरे पार्ट का इंजतार कर रहे फैंस के लिए खुशखबरी हैं। मेकर्स ने अजय देवगन स्टारर दृश्यम 3 का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दिया है। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा भी मेकर्स की तरफ से जारी कर दी है। मेकर्स की तरफ से जारी किए गए 1 मिनट 13 सेकंड के टीजर वीडियो में अजय देवगन का वॉइस ओवर सुनाई दे रहा है। जिसमें वो अपनी फैमिली की अहमियत के बारे में बता रहे हैं। इस टीजर में दृश्यम सीरीज की अब तक स्टोरी की झलक देखने को मिलती है। जिसमें विजय सलगांवकर (अजय देवगन) का किरदार कहता है कि मेरा सच मेरा सही सिर्फ मेरी फैमिली है। टीजर में इस बात को भी प्रमुखता से दिखाया गया है कि विजय अभी भी परिवार के लिए एक दीवार बनकर खड़ा हुआ है। इस वीडियो के अंत में विजय सलगांवकर कहता है, जब तक सब थक नहीं जाते, जब तक सब हार नहीं जाते, मैं यहीं खड़ा हूं चौकीदार बनकर। एक दीवार बनकर कहानी अभी खत्म नहीं हुई है। आखिरी हिस्सा अभी बाकी है। इस बात ने फैंस को काफी एक्साइटेड कर दिया है। बता दें कि मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए इस फिल्म को गांधी जयंती यानी 2 अक्टूबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। अगर आपने दृश्यम देखी होगी तो आप जानते ही होंगे 2 अक्टूबर को क्या हुआ था? इसी प्लान के तहत मेकर्स ने ये तारीख फिक्स की है। दृश्यम 3 का डायरेक्शन अभिषेक पाठक ने किया है। वहीं उम्मीद की जा रही है कि तीसरे पार्ट की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां दृश्यम 2 खत्म होगी। ये भी देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म की कास्ट में कोई बदलाव होता है या नहीं। सबसे ज्यादा चर्चा इस बात पर होगी कि अक्षय खन्ना इस फिल्म में नजर आते हैं या नहीं। बता दें कि दृश्यम मलयालम फिल्म का हिंदी रीमेक है। हिंदी में इस फिल्म की शुरुआत 2015 में हुई थी। जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। इसके बाद 2022 में इस फिल्म का दूसरा पार्ट आया। जिसमें अक्षय खन्ना भी नजर आए लेकिन वो केस सॉल्व नहीं कर पाए।

ना टिकट, ना सीट, ना केबिन क्रू फिर भी रोज उड़ता है ये प्लेन, देश के लिए करता है करोड़ों की कमाई!

भारत में हवाई यात्रा की बात हो तो हमारे दिमाग में IndiGo, Air India, Vistara या फिर SpiceJet जैसे नाम तुरंत आ जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसी एयरलाइन भी है, जो यात्रियों को नहीं बल्कि सिर्फ सामान को आसमान के रास्ते मंजिल तक पहुंचाने का काम करती है? यही नहीं, इस एयरलाइन ने ऐसा प्रयोग किया है, जो इससे पहले दुनिया में हुआ ही नहीं है। इस एयरलाइन का नाम है Pradhaan Air Express। साल 2022 में शुरू हुई यह एयरलाइन आज भी कई लोगों के लिए अनजान है, लेकिन इसका काम बेहद खास और भविष्य की जरूरतों से जुड़ा हुआ है। दरअसल, Pradhaan Air Express एक भारतीय कार्गो एयरलाइन है, जो केवल माल ढुलाई के क्षेत्र में काम करती है। इसका मकसद तेज डिलीवरी, बेहतर लॉजिस्टिक्स और स्मार्ट तरीके से विमान का इस्तेमाल करना है। यह एयरलाइन खास तौर पर उन कंपनियों की मदद करती है, जो पूरे भारत में 24 से 48 घंटे में सामान पहुंचाने का वादा करती हैं, जैसे D2C (डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर) ब्रांड्स और ई-कॉमर्स कंपनियां। Pradhaan Air Express की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दुनिया की पहली ऐसी एयरलाइन है, जो A320 पैसेंजर विमान को पूरी तरह कार्गो विमान में बदलकर इस्तेमाल कर रही है। इस विमान में पहले यात्री बैठते थे, लेकिन अब इसके अंदर से सभी सीटें हटा दी गई हैं। केबिन को दोबारा डिजाइन किया गया है और अब यह विमान सिर्फ सामान ढोने का काम करता है। यह बदलाव सिर्फ ऊपर-ऊपर से नहीं किया गया, बल्कि विमान के अंदरूनी ढांचे को पूरी तरह से नए तरीके से तैयार किया गया है ताकि ज्यादा और सुरक्षित कार्गो ले जाया जा सके। भारत में एयर कार्गो की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऑनलाइन शॉपिंग, मेडिकल सप्लाई, इलेक्ट्रॉनिक्स और जरूरी सामान की तेज डिलीवरी के कारण कार्गो फ्लाइट्स की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा हो गई है, लेकिन समस्या यह है कि भारत में डेडिकेटेड कार्गो विमानों की संख्या बहुत कम है।

अजब-गजब | इस देश में जाते ही भारतीयों को आएगी रईसों वाली फीलिंग

दुनिया का वो देश जहां आपके 10 रुपये बन जाते हैं 3 हजार, भारतीयों के लिए है जन्नत!

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो वायरल हो रहा है जहां लोग बता रहे हैं कि दुनिया का वो देश कौन सा है जहां भारतीय रुपये की वैल्यू इतनी ज्यादा हो जाती है कि पहुंचते ही अमीर वाली फीलिंग आने लगती है। जी हां, हम बात कर रहे हैं वियतनाम की, जहां वर्तमान एक्सचेंज रेट के अनुसार1 भारतीय रुपया करीब 290-295 वियतनामी डोंग के बराबर है। यानी आपके 10 रुपये वहां बदलते ही लगभग 3000 डोंग बन जाते हैं।

ढेर सारे हाई डेनॉमिनेशन नोट्स हाथ में देखकर हर भारतीय टूरिस्ट को मिलियनेयर जैसा फील होता है। वियतनाम की करेंसी है वियतनामी डोंग और इसके नोट्स पर राष्ट्रपिता हो ची मिन्ह की तस्वीर छपी होती है। सबसे बड़े नोट 500,000 डोंग के होते हैं, जो भारतीय रुपये में सिर्फ 1700-1800 रुपये के बराबर होते हैं। लेकिन जब आप एक्सचेंज कराते हैं तो जेब में लाखों-करोड़ों डोंग आ जाते हैं, जो देखने में बेहद मजेदार लगता है।

भारतीय टूरिस्ट्स अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करते हैं जहां वे ढेर

सारे डोंग नोट्स पकड़े मुस्कुरा रहे होते हैं। लेकिन यह सिर्फ नंबर गेम नहीं है। वियतनाम में चीजें वाकई सस्ती हैं। एक प्लेट फेमस फो सूप (नूडल सूप) मात्र 30,000-50,000 डोंग में मिल जाता है, जो 100-170 रुपये होते हैं। स्ट्रीट फूड, कॉफी और लोकल ट्रांसपोर्ट बेहद अफोर्डेबल है। हा लॉन्ग बे पर लग्जरी क्रूज, जो भारत में हजारों रुपये खर्च कराती है, वहां बजट में हो जाती है। हनोई, हो ची मिन्ह सिटी, दा नांग और होइ आन जैसे शहरों में होटल, स्पा और शॉपिंग भारतीयों के लिए जन्नत जैसी लगती है। पिछले कुछ सालों में वियतनाम भारतीय टूरिस्ट्स की टॉप डेस्टिनेशन बन गया है। इसकी वजह है आसान वीजा (ई-वीजा या वीजा ऑन अराइवल), सस्ती फ्लाइट्स और मजबूत रुपये की वैल्यू।

2025 में भी यहां एक्सचेंज रेट स्थिर है, जहां 1 INR = लगभग 292 VND है। हालांकि रेट रोज बदलते हैं, लेकिन वियतनाम हमेशा भारतीयों के लिए सस्ता रहा है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, हर साल लाखों भारतीय वियतनाम घूमने आते हैं। वियतनाम की खूबसूरती भी कमाल की है। यूनेस्को वर्ल्ड रिटेज साइट हा लॉन्ग बे की नीली पानी वाली खाड़ी, हजारों द्वीप और गुफाएं देखकर मन मोहित हो जाता है। हनोई की पुरानी गलियां, स्ट्रीट फूड मार्केट और हो ची मिन्ह की जीवंत नाइट लाइफ काफी लुभावनी है। दक्षिण में मेकॉन्ग डेल्टा की नदी यात्रा और बीचेस पर रिलैक्स करना लोगों को पसंद आता है। यहां हर तरह का ट्रैवलर खुश हो जाता है चाहे वो एडवेंचर, कल्चर, फूड या लग्जरी पसंद करने वाला हो।

दिल्ली के प्रदूषण पर नहीं थम रही रार

आप ने भाजपा पर फिर किया प्रहार

» हवा में जहर और सरकार हवाबाजी कर रही : भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदूषण को लेकर आप व भाजपा में एक दूसरे पर वार-पलटवार अब भी जारी है। आम आदमी पार्टी ने ग्रेप-4 प्रतिबंधों के बावजूद कोंडली एसटीपी में एक ईंट कारखाने के संचालन का आरोप लगाया है, जिससे दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर चिंताएं बढ़ी हैं। सौरभ भारद्वाज और विधायक कुलदीप कुमार ने भाजपा सरकार पर प्रवर्तन में लापरवाही का दावा करते हुए संयंत्र को तुरंत बंद करने की मांग की, जबकि मंत्री मनिंदर सिंह सिरसा ने ग्रेप-4 के सकारात्मक प्रभावों पर जोर दिया। यह मामला दिल्ली के प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार द्वारा जीआरएपी-4 के तहत कड़े प्रवर्तन के दावों के बावजूद, दिल्ली सरकार द्वारा संचालित कोंडली एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के अंदर एक ईंट कारखाना चल रहा है और घना धुआं उगल रहा है। आप का दावा है कि यह वीडियो कोंडली विधायक कुलदीप कुमार द्वारा हाल ही में किए गए स्थल निरीक्षण के बाद जारी किया गया है। वीडियो साझा करते हुए, आप दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया, जीआरएपी-4 के दौरान भी,दिल्ली में भाजपा सरकार के अधीन कोंडली एसटीपी के अंदर चल रहे ईंट कारखाने से उठते धुएं को देखिए। क्या सरकार और उसके मंत्री केवल जनसंपर्क और नौटंकी में व्यस्त हैं? क्या दिल्ली के लोगों और हवा की रक्षा की पूरी जिम्मेदारी केवल नागरिकों और विपक्ष की है? इस बीच, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) परिसर के अंदर चल रहे ईंट कारखाने का निरीक्षण करने के बाद, कोंडली विधायक कुलदीप कुमार ने दावा किया कि एसएसपी प्राइवेट लिमिटेड का एक स्लज प्रबंधन संयंत्र उस स्थान पर कार्यरत है।

नियमों का खुलेआम हो रहा उल्लंघनः कुलदीप

कुलदीप कुमार ने आरोप लगाया, जीआरएपी-4 के तहत प्रतिबंध पूरे शहर में लागू हैं, फिर भी इस स्थान पर नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। मैंने मौके पर मौजूद कर्मचारियों को फटकार लगाई और उन्हें संयंत्र को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया। इस बीच, दिल्ली के मंत्री मनिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को कहा कि जीआरएपी-4 के तहत सख्त प्रवर्तन उपायों से सकारात्मक परिणाम मिले हैं, हालांकि पश्चिमी विक्षोभ के कारण राष्ट्रीय राजधानी में खराब मौसम की स्थिति बनी हुई है।

आप ने वीडियो किया साझा

नियम तोड़ने वाले उद्योग होंगे सील : सिरसा

दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ सरकार की ओर से और सख्ती बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। 50 फीसदी वर्क फ्रॉम होम का पालन न करने वाली निजी कंपनियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे कार्यालय सील किए जाएंगे। सरकार ने तय किया है कि सुविधाएं जरूरी हैं, लेकिन नियम मानना भी सबके लिए उतना ही अनिवार्य है। नियम तोड़ने वाले उद्योगों को अब राहत नहीं मिलेगी और गैर अनुपालन पर तुरंत सीलिंग होगी। सरकार ने हवा को साफ करने के लिए जो भी उपाय किए हैं, उसमें ढिलाई नहीं चाहती। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि नो पीयूसी, नो फ्यूल नियम सख्ती से लागू रहेगा। अभी तक 2 लाख से अधिक वाहनों की पीयूसी जांची है और सर्टिफिकेट जारी किए हैं। इनमें से करीब 10 हजार वाहन उत्सर्जन मानकों पर खरे नहीं उतरे। पीयूसी व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए सभी केंद्रों को आधुनिक मशीनों से अपग्रेड किया जा रहा है। जांच में पारदर्शिता लाने के लिए थर्ड पार्टी सिस्टम लागू किया जा रहा है और परिवहन विभाग की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। एएनपीआर कैमरों में तकनीकी खामियों की शिकायतों पर मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग मामले को देख रहा है।

नेशनल हेराल्ड मामला

हाई कोर्ट में ईडी की याचिका पर सुनवाई

सोनिया और राहुल को नोटिस जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र के समतुल्य) पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। ईडी ने ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया है, जबकि कांग्रेस इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार देती रही है।

न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की बेंच ने गांधी परिवार और अन्य आरोपियों को मुख्य याचिका के साथ-साथ ईडी की उस अर्जी पर भी नोटिस जारी किया, जिसमें 16 दिसंबर के ट्रायल कोर्ट आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। ट्रायल कोर्ट ने कहा था कि ईडी की शिकायत पर संज्ञान लेना कानूनन अवैध है क्योंकि यह किसी एफआईआर पर आधारित नहीं थी।कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च 2026 के लिए निर्धारित की है। ईडी ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा दिवंगत कांग्रेस नेताओं मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा तथा प्राइवेट कंपनी यंग इंडियन पर षड्यंत्र और मनी लांड्रिंग के आरोप लगाए हैं। ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पैरवी की, जबकि गांधी परिवार की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और आरएस चीमा ने पक्ष रखा।

रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई 22 जनवरी को

रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई टली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई 22 जनवरी 2026 को होगी। कोर्ट ईडी द्वारा दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर सुनवाई कर रहा है।

विजय हजारे ट्रॉफी में खेल सकते हैं सूर्या और शिवम

» मुंबई की टीम में रोहित की भी वापसी की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे के विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रूप चरण में मुंबई की ओर से खेलने की संभावना है। दोनों खिलाड़ी मुंबई के आखिरी दो ग्रूप मैचों में हिस्सा ले सकते हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि सूर्यकुमार और शिवम हिमाचल प्रदेश और पंजाब के खिलाफ क्रमशः छह और आठ जनवरी को जयपुर में होने वाले मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। दोनों खिलाड़ियों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी मैच में भारत की ओर से खेला था, जिसे भारत ने 3-1 से अपने नाम किया।

मुंबई की टीम ग्रूप सी में शामिल है, जहां उसके साथ पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गोवा की टीमें हैं। इसके अलावा, भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के भी टूर्नामेंट के कुछ मैचों में खेलने की संभावना है। जायसवाल हाल ही में राजस्थान के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के एक मुकाबले में खेले थे, जहां उन्होंने 67 और 156 रनों की शानदार पारियां खेली थीं। फिलहाल वह गैस्ट्राइटिस से उबर रहे हैं। वहीं, अब सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलने वाले रोहित शर्मा के भी विजय हजारे ट्रॉफी में उतरने की उम्मीद है। वह मुंबई के पहले दो मैच सिक्किम और उत्तराखंड के खिलाफ 24 और 26 दिसंबर को खेल सकते हैं।

महिला क्रिकेट को बड़ी सौगात, घरेलू खिलाड़ियों और अधिकारियों की फीस में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू महिला क्रिकेटरों और मैच अधिकारियों की मैच फीस में बड़ी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। यह फैसला भारत की ऐतिहासिक पहली महिला वनडे विश्व कप जीत के बाद लिया गया है, जिसका उद्देश्य घरेलू क्रिकेट में अधिक समान और न्यायसंगत वेतन संरचना तैयार करना है। इस प्रस्ताव को बोर्ड की एपेक्स काउंसिल ने मंजूरी दी। नई वेतन संरचना के तहत सीनियर महिला घरेलू क्रिकेटरों को अब प्रति दिन 50,000 रुपये मिलेंगे, जो पहले 20,000 रुपये थे। रिजर्व खिलाड़ियों को अब 25,000 रुपये प्रति दिन (पहले 10,000 रुपये) मिलेंगे। बीसीसीआई अधिकारियों के अनुसार, कोई शीर्ष घरेलू महिला क्रिकेटर अगर पूरे सीजन में सभी ग्रारूपों में खेलती है, तो वह 12 से 14 लाख रुपये तक की कमाई कर सकती है। अंडर-23 और अंडर-19 वर्ग की महिला खिलाड़ियों की फीस भी बढ़ाई गई है। इस फैसले से अंपायर और मैच रेफरी जैसे मैच अधिकारियों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। इसके चलते रणजी ट्रॉफी के लीग मैचों में अंपायरों की कमाई अब लगभग 1.60 लाख रुपये प्रति मैच हो जाएगी, जबकि नॉकआउट मुकाबलों में उन्हें 2.5 से 3 लाख रुपये तक मिलेंगे।

मनरेगा को बदलना 'ऐतिहासिक गलती' : सचिन पायलट

» कांग्रेस नेता ने नई योजना बीवी रामजी का किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार अधिनियम का नाम बदलने का विरोध किया और कहा कि नया विकसित भारत - रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) बीवीरामजी ग्रामीण रोज़गार योजना को खत्म कर देगा। पायलट का तर्क है कि नई योजना ग्रामीण रोजगार के अधिकार को कमजोर कर सकती है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार मनरेगा जैसे स्थापित ढांचे के बजाय नए प्रयोगों से गरीबों का हक कम कर रही है।

पायलट ने 'मनरेगा' को बदले जाने को 'ऐतिहासिक गलती' और 'सबसे वंचित लोगों' की आजीविका के अवसरों पर एक सुनियोजित हमला करार दिया। पायलट ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को झूठा फंसाकर लगातार 'राजनीतिक प्रतिशोध' लेने का भी आरोप लगाया। पायलट ने कहा, भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक गलती की है। आजादी के बाद इतिहास में पहली बार राष्ट्रपिता के नाम पर शुरू की गई किसी योजना या कार्यक्रम का नाम बदला गया है।

नगर निगम के बाबूओं को है भ्रष्टाचार से प्यार

» लेखा-पर्यावरण-आरआर विभाग नियमों को दिखा रहे ठेंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के लेखा विभाग, पर्यावरण विभाग और आरआर विभाग में वर्षों से जमे कर्मचारियों और अधिकारियों का ऐसा गठजोड़ बन चुका है, जिसने पूरी व्यवस्था को खोखला कर दिया है। नियमों के विरुद्ध तैनाती, पदों का दुरुपयोग और खुलेआम भ्रष्टाचार अब किसी से छिपा नहीं रहा। लेखा विभाग में वर्षों से एक ही बाबू किशुन का कब्जा बना हुआ है।

जिसे कभी दंड स्वरूप पर्यावरण विभाग भेजा गया था, वहीं उसके अच्छे दिन शुरू हो गए और वह वर्षों से वहीं जमा बैठा है। पर्यावरण विभाग में हालात और भी चिंताजनक हैं। यहां सफाई एवं खाद्य निरीक्षक-एसएफआई ने न सिर्फ विभाग में कब्जा कर लिया है, बल्कि व्यवहारिक रूप से पर्यावरण अभियंता की भूमिका निभा रहा है। चर्चा है कि पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान की अनुपस्थिति में एसएफआई जितेंद्र वर्मा ही अभियंता का कार्यभार संभालते हैं। यह गंभीर लापरवाही है, क्योंकि तकनीकी पद का जिम्मा एक सफाई निरीक्षक को सौंपना नियमों का खुला उल्लंघन है। सूत्र बताते हैं कि जितेंद्र वर्मा और इमरान अहमद पूरे पर्यावरण विभाग की देखरेख में लगे रहते हैं, लेकिन उन्हें देखने वाला कोई नहीं।

जिम्मेदारों ने मूंदी आंखें

आरआर विभाग है भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा

नगर निगम का आरआर विभाग भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुका है। यहां अदिति पाल (ऑपरेटर), धर्मेंद्र सिंह और राहुल श्रीवास्तव (बाबू) पर गंभीर आरोप हैं कि विभाग पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूब चुका है। पूर्व में मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने जर्जर गाड़ियों को लेकर सख्त नाराजगी जताई थी और स्पष्ट आदेश दिए थे कि खराब गाड़ियों को दुरुस्त किया जाए और जो वाहन चलने योग्य नहीं हैं, उन्हें हटाया जाए लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। सूत्रों का दावा है कि गाड़ियों की खराबी दूर करना तो दूर, जो सामान सही होता है उसे भी बदल दिया जाता है, पुराने व ठीक-ठाक पुर्जों को हटाकर कागजों में नया दिखाया जाता है,और फाइलों में पेमेंट की मोहर आसानी से लग जाती है।

राहुल गांधी की धुरंधरगिरी! बर्लिन में बयान, देश में राजनीतिक बवाल

» विदेश में सवाल, देश में हंगामा

» नेता प्रतिपक्ष ने फिर सत्ता की नस पर रख दिया हाथ

» बोले- केशव प्रसाद राहुल अब अलगाववादी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बयान बर्लिन में दिया है लेकिन बवाल देश की राजनीति में शुरू हो गया है। सरकार बौखला गयी है और बीजेपी नेताओं के राहुल गांधी के बयान को काटने के लिए बयान आना शुरू हो गये हैं। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने उन्हें अलगाववादी नेता की श्रेणी में ला खड़ा किया है जबकि सम्पर्ण बीजेपी उन्हें विदेश की धरती पर देश का अपमान करने वाले नेता के रूप में परिभाषित कर रहे हैं। जबकि राहुल गांधी का बर्लिन बयान भारत के खिलाफ़ नहीं है वह भारत के पक्ष में है। सत्ता इसे बदनामी कहे या देशद्रोह इतिहास तय करेगा कि लोकतंत्र के इस दौर में सवाल पूछने वाला बड़ा था या सवाल से भागने वाला।

बर्लिन की ज़मीन पर दिया गया राहुल गांधी का बयान कोई साधारण राजनीतिक भाषण नहीं था। यह एक ऐसा बयान था जिसमें शब्द कम और संकेत ज़्यादा थे इस बयान में आरोप नहीं बल्कि सवाल थे? और जिसमें भारत की लोकतांत्रिक आत्मा को लेकर एक बेचैन चिंता थी।

राहुल गांधी ने जर्मनी की राजधानी में खड़े होकर जब कहा कि भारत में संस्थाओं पर कब्ज़ा हो रहा है तो असल में उन्होंने किसी सरकार का नहीं बल्कि एक प्रवृत्ति का नाम लिया। यही वह बिंदु है जहां सत्ता तिलमिला जाती है। क्योंकि सत्ता सवालों से नहीं सवाल पूछने वालों से डरती है। राहुल गांधी का बर्लिन बयान उसी डर की जड़ में उंगली डालता है। यह बयान बताता है कि भारत में लोकतंत्र सिर्फ़ चुनाव जीतने का नाम नहीं है बल्कि संस्थाओं की स्वतंत्रता, संवाद की संस्कृति और असहमति के सम्मान का नाम है।

विदेश जाकर देश को बदनाम करते हैं राहुल गांधी

राहुल के बयान के बाद बीजेपी का पुराना और आज़माया हुआ आरोप एक बार फिर राहुल की तरफ़ फेंका गया है। बिहार सरकार में मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा है राहुल गांधी विदेशी मंचों पर भारत की छवि खराब कर रहे हैं और विपक्ष के नेता की बजाय भारत विरोधी नेता की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

बीजेपी का तर्क सीधा है देश के अंदर बोलिए बाहर नहीं। लेकिन यही पार्टी तब चुप रहती है जब प्रधानमंत्री विदेशों में भारत की आंतरिक राजनीति का श्रेय खुद लेते हैं या चुनावी भाषणों को वैश्विक मंचों पर पेश करते हैं। सवाल यह नहीं है कि राहुल गांधी कहां बोल रहे हैं सवाल यह है कि वे क्या बोल रहे हैं। अगर कोई नेता यह कहता है कि संस्थाएं कमज़ोर हो रही हैं एजेंसियां निष्पक्ष नहीं रहीं और लोकतंत्र दबाव में है तो इसका जवाब तथ्य से दिया जाना चाहिए आरोपों से नहीं। बीजेपी का यह आरोप दरअसल एक रक्षा कवच है जिससे असल बहस से बचा जा सके।

क्या लोकतंत्र की चिंता करना उसे बदनाम करने जैसा है?

बीजेपी इसे विदेश में जाकर भारत को बदनाम करना कहती है लेकिन असल सवाल यह है कि क्या लोकतंत्र की चिंता करना बदनामी है? क्या संस्थाओं के दुरुपयोग पर सवाल उठाना देशद्रोह है? और क्या भारत की छवि इतनी कमज़ोर है कि एक नेता के शब्दों से टूट जाएगी?अराहुल गांधी का यह बयान उस भारत की बात करता है जहां चुनाव तो होते हैं लेकिन बराबरी का मैदान नहीं बचा। जहां विपक्ष मौजूद है लेकिन उसकी आवाज़ को एजेंसियों के छापों के शोर में दबाया जा रहा है। सरकार को बर्लिन का बयान इसलिए चुभता है क्योंकि वह शीशा दिखाता है।

ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल सियासी तस्वीर

किसी एक विपक्षी पार्टी नहीं बल्कि सम्पूर्ण विपक्ष का आरोप है कि 2014 के बाद से भारत में ईडी और सीबीआई का ग़ाफ़ राजनीति से जुड़ गया है। विपक्षी नेताओं पर छापे, पूछताछ, गिरफ़्तारी यह सब संयोग नहीं दिन प्रतिदिन एक पैटर्न बनता जा रहा है। कांग्रेस, तृणमूल, आप, समाजवादी पार्टी, राजद शायद ही कोई विपक्षी दल बचा हो जिसके नेता पर ईडी या सीबीआई की कार्रवाई न हुई हो। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मनीष सिसोदिया, अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव जैसे नेताओं पर इन एजेंसियों की कार्रवाई जारी है। नेताओं की सूची काफी लंबी है। दिलचस्प यह है कि इन मामलों में सज़ा का प्रतिशत बेहद कम है लेकिन प्रक्रिया ही सज़ा बन चुकी है। सालों तक जांचें, तारीख़ें, मीडिया ट्रायल चालू हैं। राहुल गांधी इसी संस्थागत डर की बात करते हैं। सवाल यह नहीं कि जांच होनी चाहिए या नहीं सवाल यह है कि क्या जांच सिर्फ़ विपक्ष के लिए है?

राजनीति में पैसों का असमान युद्ध

राहुल गांधी ने जिस आर्थिक असमानता की बात की है वह सिर्फ़ जनता और अमीरों के बीच नहीं बल्कि दलों के बीच भी है। इलेक्टोरल बॉन्ड ने राजनीति को कॉरपोरेट फंडिंग का खेल बना दिया। बीजेपी को मिलने वाला चंदा विपक्ष की कुल राशि से कई गुना ज़्यादा है। जब पैसा असमान होता है तो चुनाव बराबरी का नहीं रहता। पोस्टर, प्रचार, मीडिया, डिजिटल हर मोर्चे पर विपक्ष पिछड़ जाता है। राहुल गांधी इसी असंतुलन को लोकतंत्र के लिए ख़तरा मानते हैं। राहुल गांधी कहते हैं कि हमें जीत का भरोसा है लेकिन सिस्टम पर सवाल भी ज़रूरी है। ईवीएम पर बहस इसी भरोसे और फिक्र के बीच की रेखा है। सवाल उठाना हार की स्वीकारोक्ति नहीं लोकतंत्र की सेहत की जांच है।

विचलित अवस्था में पंहुचे राहुल

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विदेशी धरती पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा भारत की चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाए जाने की कड़ी निंदा की है।

उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी की बुद्धि अब देशविरोधी और अलगाववादी नेताओं जैसी हो गई है। केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि भारत की संवैधानिक संस्थाओं को विदेशी भूमि से निशाना बनाना सत्ता से दूर होने की विचलित अवस्था का परिणाम है। इस जन्म में प्रधानमंत्री की कुर्सी नहीं मिलने की हताशा और निराशा में दिया गया राहुल गांधी का यह बयान निंदनीय है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और उनसे तत्काल माफी मांगने की मांग करते हैं।

बीएलओ की मौत व एसआईआर पर सदन में तीखी तकरार

» कांग्रेस व सपा ने सरकार पर किया प्रहार

» शीतकालीन सत्र के दूसरे हफ्ते भी हंगामा

» विपक्ष को संसदीय कार्यमंत्री ने दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । विधान सभा सत्र के दूसरे हफ्ते के दूसरे दिन भी खूब हंगामा हुआ। कांग्रेस व सपा ने बीएलओ की मौत के मामले में राज्यसरकार से जवाब मांगा। वहीं विधायक संग्राम सिंह यादव ने प्रतियोगी परीक्षाओं में आरक्षण देने को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यूपी के चयन आयोग ने चुपके से माइग्रेशन की व्यवस्था समाप्त कर दी गई। छात्रों ने विरोध जताया तो उनके साथ पुलिस ने अभद्रता की।

विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि ज्यादातर बातें चुनाव आयोग के अंतर्गत आती हैं। उन्होंने आर्टिकल 13 का जिक्र करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपने लोगों को खोया, उनके साथ हमारी संवेदना है। लेकिन, मौत कैसे हुई ये जांच का विषय है। मानवीय आधार पर हमारी संवेदना उनके परिवारों के साथ हैं। हम उनको बाकी सभी सरकारी कर्मचारियों के बराबर ही ट्रीट करेंगे।

एसआईआर की जल्दबाजी क्यों : आराधना मिश्रा

विधायक आराधना मिश्रा मोना ने यूपी में 10 बीएलओ की हुई मौतों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि एसआईआर की जल्दबाजी क्यों थी? बिना किसी ट्रेनिंग के शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई। इससे अफसरों का उन पर अतिरिक्त दबाव था। इससे उनकी मौत हुई। उन्होंने मुरादाबाद के शिक्षक सर्वेश के सुसाइड की मौत का जिक्र किया। फतेहपुर में 27 वर्षीय लेखपाल ने शादी के एक दिन पहले सुसाइड कर लिया। एक महिला शिक्षक की काम के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। ये तो महज वो घटनाएं थी जो सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आ गईं। बाकी न जाने कितनी घटनाएं हुई होंगी। इसके बाद भी सरकार ने इसकी जवाबदेही नहीं ली। प्रशासनिक लापरवाही के कारण शिक्षकों की जान गई। इस जल्दबाजी में सबसे ज्यादा गरीब, दलितों के नाम कटे। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार उनके परिजनों को नौकरी देगी?

वोट काटने का दबाव बनाते हैं बीएलओ : पारस

सपा विधायक पारस ने कहा कि यदि कोई बाहर रहता है तो बीएलओ उसका वोट काटने का दबाव बनाते हैं। कोई बाहर काम कर रहा है तो उसके घरवाले उसका फार्म भर सकते हैं लेकिन बीएलओ उसका भी नाम काटने का दबाव बना रहे हैं। यही नहीं पहले वोटर बनने पर कोई भी व्यक्ति आसानी से फार्म 6 भर सकता था। लेकिन, अब एफिडेविट मांगा जाता है। इसे बनवाने में करीब 600 रुपये खर्च होते हैं।

कार्ति चिदंबरम के खिलाफ कोर्ट ने तय किए आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीनी वीजा स्कैम मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम और अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक साजिश के आरोप तय किए हैं। कोर्ट ने इस मामले में भास्कर रमन को भी आरोपी बनाया है। मामले की अगली सुनवाई 16 जनवरी को होगी।

आरोप तय किए जाने पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया मुझे कई रास्ते देती है और मैं उन सभी रास्तों का इस्तेमाल करूंगा। कार्ति चिदंबरम और सात अन्य के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे स्पेशल जज (सीबीआई) दिग विनय सिंह ने सात आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया और इस मामले में चेतन श्रीवास्तव नाम के एक व्यक्ति को बरी कर दिया। इससे पहले अक्टूबर 2024 में सीबीआई ने कार्ति चिदंबरम और अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। ईडी ने वर्ष 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने से संबंधित कथित घोटाले में आरोपियों के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया।

यूपी सरकार को कोर्ट का करारा झटका

अखलाक मॉब लिंचिंग : आरोपियों के खिलाफ चलेगा मुकदमा

» हत्यारोपियों के खिलाफ मामला वापस लेने की राज्य सरकार की याचिका को किया खारिज

» अब केस पहुंचा इलाहबाद हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश स्थित नोएडा के दादरी के बिसाहड़ा गांव में 2015 में हुए अखलाक मॉब लिंचिंग मामले में राज्य सरकार को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने कहा है कि हत्यारोपियों के खिलाफ मामला चलता रहेगा।

अदालत के इस फैसले के बाद बिसाहाड़ा अखलाक हत्याकांड में आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। नोएडा स्थित सूरजपुर की अदालत ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज मुकदमा वापस लेने को लेकर शासन की ओर से दाखिल याचिका को सूरजपुर कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इस मामले में आज अदालत में सुनवाई हुई, जहां कोर्ट ने अभियोजन पक्ष द्वारा केस वापस लेने के लिए लगाई गई अर्जी को महत्वहीन और आधारहीन मानते हुए निरस्त कर दिया। दूसरी ओर यूपी सरकार के केस वापस लेने के फैसले के खिलाफ मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। मृतक मोहम्मद अखलाक की पत्नी इकरामन ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

प्रियंका गांधी में पीएम बनने वाले गुण : इमरान मसूद

बोलें कांग्रेस सांसद- उनको पीएम बनाओ और देखो वो इंदिरा गांधी की तरह कैसे पलटवार करेंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने मंगलवार को कहा कि अगर प्रियंका गांधी वाड्रा प्रधानमंत्री बन गईं, तो वह अपनी दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की तरह ही कड़ा जवाब देंगी। वह बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर प्रियंका गांधी की टिप्पणी का बचाव कर रहे थे।

इमरान मसूद ने कहा, क्या प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री हैं? उन्हें प्रधानमंत्री बनाइए और देखिए कि वह इंदिरा गांधी की तरह कैसे पलटवार करेंगी। वह प्रियंका गांधी हैं। उनके

नाम के आगे गांधी लगा है। वह इंदिरा गांधी की पोती हैं, जिन्होंने पाकिस्तान को इतना नुकसान पहुंचाया कि वे घाव अभी तक भरे नहीं हैं। उन्हें प्रधानमंत्री बनाइए और देखिए कि वह कैसे पलटवार करेंगी। आप ऐसा करने की हिम्मत नहीं करेंगे। हाल ही में, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या के बाद हिंदू, ईसाई और बौद्ध अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा का संज्ञान लेने का केंद्र सरकार से आग्रह किया। वाड्रा ने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की क्रूर हत्याओं की ओर इशारा किया। एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में भीड़ द्वारा हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की क्रूर हत्या की खबर बेहद चिंताजनक है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।